Publication: Rajasthan Patrika	Date: 02.10.2022
Edition: Jaipur	Page No: 03
Headline: Channelising Youth Power towards Sewa Leadership	

जरूरी है सेवा लीडरशिप और युवा शक्ति का रुझान विकसित करना

महात्मा गांधी ने हमारे युवाओं के बारे में कहा था, 'अगर मुझे उनका असली शिक्षक और अभिभावक बनना है, तो मुझे उनके दिलों को छूना होगा .... मुझे उनकी समस्याओं को हल करने में उनकी मदद करनी चाहिए ... और मुझे युवाओं की बढ़ती आकांक्षाओं को सही दिशा देने का प्रयास करना होगा।

वर्तमान में युवा सभी के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए ऊर्जा, आकांक्षाओं और नए दृष्टिकोण के साथ परिवर्तन के लिए वैश्विक आंदोलनों का नेतृत्व कर रहे हैं। भारत की असली संपत्ति युवा आबादी (15-29 वर्ष) है, जो कुल आबादी का 27 प्रतिशत है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार यह किसी भी देश की सर्वाधिक युवा आबादी है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने 'इंडिया/75' के एक विशेष कार्यक्रम 'शोकेसिंग द इंडिया-यूएन पार्टनरशिप इन एक्शन' में इस बात को रेखांकित किया कि सबसे बड़ी युवा पीढ़ी के साथ भारत सतत विकास लक्ष्यों की कामयाबी में एक निर्णायक भूमिका निभाएगा।

संभावनाओं और उम्मीदों की रोशनी: पिरामल फाउंडेशन द्वारा एक दशक पहले स्थापित गांधी फैलोशिप जैसे प्रयास हमारे देश में जमीनी स्तर पर उठाए गए कदमों की मिसाल कायम करते हैं। ये ऐसे प्रयास हैं जो सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा और पानी के क्षेत्रों में गहन अनुभव प्रदान करते हैं। फैलोशिप ने सेवा लीडर्स के विकास का मार्ग प्रशस्त किया है, जिसमें भारत के 23 राज्यों में फैले 3000 से अधिक गांधी फैलो और पूर्व छात्र अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर र हैं। ये ऐसे नौजवान हैं जो निस्वार्थता क अपनी सहज भावना से प्रेरित हैं, क्योंि वे बड़े पैमाने पर देश भर में परिवर्तन क नेतृत्व करते हैं। गढ़चिरौली के शोधग्रा में सर्च के निर्माण कार्यक्रम भी युवाओ के बीच जीवन के एक सामाजिक उद्देश को सुविधाजनक बनाने और उन सामाजिक परिवर्तनकर्ता के रूप में पोषि करने का काम करता है। दूसरी तरप अशोक चेंजमेकर्स जैसी पहल का उद्देश यूथ लीडर्स का निर्माण करना है। हमार बड़ी युवा आबादी का लाभ तब त सिर्फ एक संख्यात्मक ताकत बना रहेग जब तक कि हम राष्ट्र-निर्माता औ सेवा लीडर के रूप में उनकी क्षमता क इस्तेमाल नहीं करेंगे और उनके सम विकास पर सक्रिय और सचेत रूप स ध्यान केंद्रित नहीं करेंगे। इसके बा ही वे इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप औ विविधता की संस्कृति का प्रसार क सकेंगे, और एक संपन्न भारत बना के लिए कदम उठाएंगे। स्वाम विवेकानंद ने कहा था 'मुझे 10 ऊर्जावान युवा दो और मैं भारत क बदल दूंगा।' यह समय नीति से का की ओर कदम बढ़ाते हुए हमारे युवाओ की आकांक्षाओं और उनकी उम्मीद को पंख देने का है। देश भर म सार्वजनिक और निजी सभी स्तरों प शिक्षा संस्थानों को सेवा नेतृत्व की इ अवधारणा को पहचानने और इसे अप कार्यक्रमों में शामिल करने क आवश्यकता है।

राजस्थान पत्रिका

गेस्ट राइटर

अजय पिरामल
चेयरमैन, पिरामल ग्रुप और तृप्ति व्यास, टीम टैलेंट, पिरामल फाउंडेशन

लर्निंग से संबंधित कार्यक्रमों में परिवर्तन और सुधार

देश में स्कूली शिक्षा मुख्य रूप से साक्षरता और अंकों को हासिल करने पर केंद्रित है, जबकि हमारे उच्च शिक्षा संस्थान मुख्य रूप से सबसे अच्छे और प्रतिभाशाली दिमाग के टेक्नोक्रेट और नौकरशाह पैदा कर रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में जोर देकर कहा है कि 'शिक्षा प्रणाली का उद्देश्य तर्कसंगत विचार के साथ कदम उठाने में सक्षम अच्छे इंसानों का विकास करना है, जिनमें करुणा और सहानुभूति, साहस और लचीलापन, वैज्ञानिक स्वभाव और रचनात्मक कल्पना हो और जो नैतिक मूल्यों और आदर्शों को मजबूती के साथ प्राथमिकता देते हों।